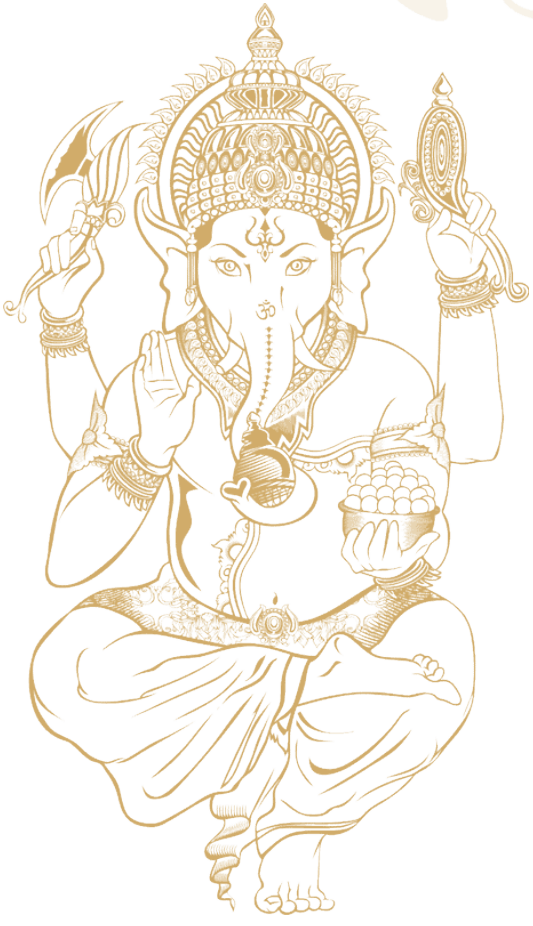

Manish sukla

17 Sep 2003

08:30 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121760002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/09/2003**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	06:44:59 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:28:16 घंटे
वेलान्तर	00:05:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:10:50 घंटे
सूर्योदय	05:48:00 घंटे
सूर्यास्त	18:04:24 घंटे
दिनमान	12:16:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:54:57 सिंह
लग्न के अंश	05:15:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:15:38	317:49:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	29:54:57	00:58:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	स्वराशि
चंद्र			वृष	11:43:40	11:47:45	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल	व		कुंभ	06:53:56	00:07:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	19:07:36	00:29:51	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	10:33:40	00:12:41	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	07:54:31	01:14:34	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि			मिथु	17:58:35	00:04:02	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु			मेष	28:12:29	00:00:51	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	28:12:29	00:00:51	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:01:29	00:02:07	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:50:02	00:01:05	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:25:43	00:00:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	06:35:58	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:18

लग्न-चलित

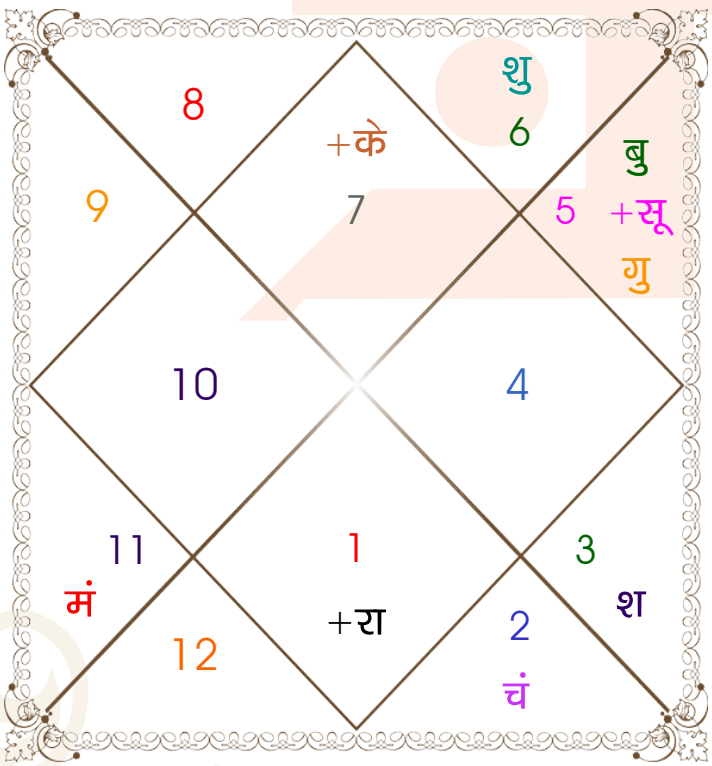

चन्द्र कुंडली

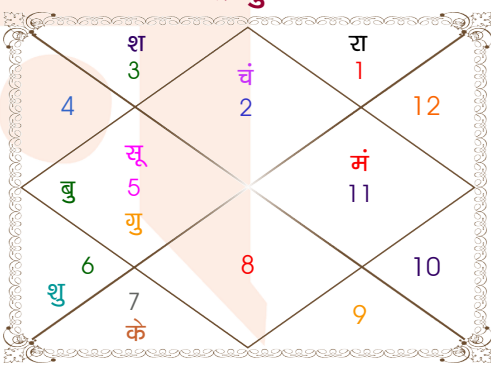

नवमांश कुंडली

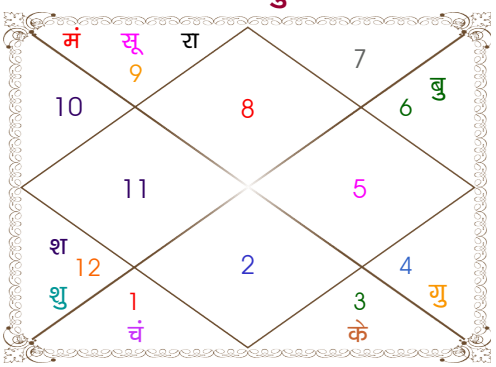

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 8 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/09/2003		31/05/2012		01/06/2019		31/05/2037		31/05/2053	
31/05/2012		01/06/2019		31/05/2037		31/05/2053		31/05/2072	
	17/09/2003	मंगल	27/10/2012	राहु	11/02/2022	गुरु	19/07/2039	शनि	03/06/2056
मंगल	31/10/2003	राहु	15/11/2013	गुरु	07/07/2024	शनि	30/01/2042	बुध	11/02/2059
राहु	01/05/2005	गुरु	22/10/2014	शनि	14/05/2027	बुध	07/05/2044	केतु	22/03/2060
गुरु	31/08/2006	शनि	30/11/2015	बुध	30/11/2029	केतु	13/04/2045	शुक्र	23/05/2063
शनि	31/03/2008	बुध	27/11/2016	केतु	18/12/2030	शुक्र	13/12/2047	सूर्य	04/05/2064
बुध	31/08/2009	केतु	25/04/2017	शुक्र	18/12/2033	सूर्य	30/09/2048	चंद्र	03/12/2065
केतु	01/04/2010	शुक्र	25/06/2018	सूर्य	12/11/2034	चंद्र	30/01/2050	मंगल	12/01/2067
शुक्र	30/11/2011	सूर्य	31/10/2018	चंद्र	13/05/2036	मंगल	06/01/2051	राहु	18/11/2069
सूर्य	31/05/2012	चंद्र	01/06/2019	मंगल	31/05/2037	राहु	31/05/2053	गुरु	31/05/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/05/2072		31/05/2089		31/05/2096		01/06/2116		02/06/2122	
31/05/2089		31/05/2096		01/06/2116		02/06/2122		00/00/0000	
बुध	28/10/2074	केतु	27/10/2089	शुक्र	01/10/2099	सूर्य	19/09/2116	चंद्र	02/04/2123
केतु	25/10/2075	शुक्र	28/12/2090	सूर्य	01/10/2100	चंद्र	20/03/2117	मंगल	18/09/2123
शुक्र	25/08/2078	सूर्य	04/05/2091	चंद्र	02/06/2102	मंगल	26/07/2117		00/00/0000
सूर्य	01/07/2079	चंद्र	03/12/2091	मंगल	02/08/2103	राहु	20/06/2118		00/00/0000
चंद्र	30/11/2080	मंगल	01/05/2092	राहु	01/08/2106	गुरु	08/04/2119		00/00/0000
मंगल	27/11/2081	राहु	19/05/2093	गुरु	01/04/2109	शनि	20/03/2120		00/00/0000
राहु	15/06/2084	गुरु	25/04/2094	शनि	01/06/2112	बुध	24/01/2121		00/00/0000
गुरु	21/09/2086	शनि	04/06/2095	बुध	02/04/2115	केतु	01/06/2121		00/00/0000
शनि	31/05/2089	बुध	31/05/2096	केतु	01/06/2116	शुक्र	02/06/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 8 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।